(d) if so, how much cost benefit has been accrued by change of feed-stock from Raniganj to Chirimiri?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) As per information received from Coal India Limited (CIL) approximately 5303 tonnes of low phosphorous coal was brought to Dankuni Coal Complex (DCC) from Chirimiri Coalfield of South Eastern Coalfields Limited. The total coke produced out of this coal is about 2121 tonnes with ash content varying from 22% to 38%.

(b) CIL has informed that the average landed cost of low phosphorous coal brought from Chirimiri Coalfield to DCC works out to Rs. 1495.00 per tonne by rail. Sale price of low phosphorous coke has been fixed from Rs. 2100.00 to Rs. 2600.00 per tonne depending upon the ash content. 30 tonnes of low phosphorous coal has so for been sold @ Rs. 2600.00 per tonne.

(c) and (d) Accoring to CIL, with sale price of Rs. 1280.00 per tonne CILCOKE produced from Raniganj Coal is sold at a loss of Rs. 373.00 per tonne. The ferro-alloy grade coke produced from Chirimiri Coal generates a net profit of about Rs. 485.00 per tonne. Thus the overall benefit is about Rs. 858.00 per tonne of coke produced by replacement of Raniganj Coal with Chirimiri Coal.

Agreement of CIL and Yamunanagar Generating Company Limited

1987. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:
SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether Coal India Limited has made a preliminary coal supply agreement through Central Coalfields Limited with Yamunanagar Generating company Limited for sale and supply of coal;

(b) if so, the estimated volume of coal which would be supplied to the power company;

(c) whether this coal will be supplied from Piparawar Open Cast Mines of ECIL;

(d) if so, whether as per the contract with National Thermal Power Corporation the said mines has also to supply coal to NTPC Plants of Dadri, Badarpur and other Plants;

(e) whether the latest contract of Coal India Limited with the Israeli Power utility at Yamunanagar is going to effect the already assured supply to NTPC Plants; and

(f) if so, the action taken by Government to ensure linkage to NTPC Plants?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) Coal India Ltd. (CIL) have informed that as on date, no agreement has been concluded by them with Yamunanagar Generating Company Ltd. for supply of coal.

(b) and (c) Do not arise in view of reply to part (a) above.

(c) to (f) According to the information received from CIL, coal is being supplied to power stations at Dadri and Badarpur and also to other consumers from North Karanpura Coalfields of Central Coalfields Ltd. Coal India Ltd. have informed that subject to the conclusion of the necessary agreement they are in a position to meet the requirements of Yamunanagar Generating Compary without adversely affecting supplies to NTPC Plants.

कोयला खानों के मुहानों पर पड़ा कोयला

1988. **श्री सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कोयला खानों के मुहानों पर सदैव भारी मात्रा में कोयला पड़ा रहता है;

(ख) यदि हां, तो 1991-94 की अवधि के दौरान कोयला खानों के मुहानों पर औसतन कितना कोयला बिना विक्रय के पड़ा रहा;

(ग) क्या सरकार ने वर्ष के दौरान देश में बेचे गए कोयले की मात्रा में से इन कोयला खानों के मुहानों पर पड़े कोयले की प्रतिशतता का आंकलन किया है;

(घ) यदि हां, तो 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के वर्षों में कुल कितनी मात्रा में कोयला बेचा गया और कोयला खानों के मुहानों पर पड़ा कोयला, बेचे गए कोयले की कुल मात्रा का कितने प्रतिशत था; और

(ङ) क्या सरकार ने कोयला खानों के मुहानों पर कोयले की अधिकतम मात्रा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कोई नीतिगत निर्णय लिया है; यदि हां, तो वह निर्णय क्या है और ऐसा निर्णय लेने के क्या कारण हैं?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) और (ख) कोल इंडिया लि० (को०इं०लि०) से प्राप्त सूचना के अनुसार पिछले चार वर्षों के लिए जोकि 1.4.1991 से 1.4.1994 तक की अवधि के दौरान उनके औसत कोयले का अथ स्टाक लगभग 47 मि० टन था।

(ग) और (घ) को०इं०लि० ने यह सूचित किया है कि वर्ष 1991-92, 1992-93 तथा 1993-94 में को०इं०लि० से किए गए कोयले के प्रेषण की तुलना में पिट-हैडों पर कोयले की मात्रा को नीचे दर्शाया गया है :—

(मिलियन टन में)
(आंकड़ा अनंतिम)

	1991-92	1992-93	1993-94
बंद स्टाक	47.247	49.990	49.488
प्रेषण	194.92	204.98	213.25
बंद स्टाक प्रेषणों की प्रतिशतता के रूप में	24.24	24.39	23.21

(ङ) को०इं०लि० ने अपनी कोयले का उत्पादन करने वाली सहायक कंपनियों के लिए स्टाक करने हेतु निम्नलिखित नीति निर्धारित की है :—

(1) सहायक कंपनी के लिए समग्र रूप में पिट हैडों पर कंपनी का कुल स्टाक एक महीने के उत्पादन के बराबर होना चाहिए।

(2) प्रत्येक कोलियरी पर पिटहैड पर स्टाक 3 महीने के उत्पादन से अधिक नहीं होना चाहिए।

(3) कोलियरियों को पिट-हैडों पर पर्याप्त मात्रा में सदैव स्टाक रखना चाहिए ताकि वे उपलब्ध संख्या में वैगनों का समय से लदान कर सकें।

इस नीति का उद्देश्य कोयले के उत्पादन में मौसमी परिवर्तन होने, उतार चढ़ाव होने के बावजूद कोयले के उपभोक्ता की मांग को पूरा करना है। जबकि इसके साथ-साथ अनावश्यक रूप में/व्यर्थ एकत्रित निरुत्साहित करना है।

कोयले में राख का अंश

1989. श्रीमती सुषमा स्वराज:
श्री राम जेठमलानी:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सामान्यतः भूमिगत खनन द्वारा उत्तम गुणवत्ता वाला कोयला प्राप्त होता है जो बिना राख के अंश वाला या कम राख वाला होता है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में सरकारी क्षेत्र के एकाधिकार-प्राप्त कोयला उद्योग में भूमिगत खनन की तुलना में खुली खदान खनन (ओपेनकास्ट माइनिंग) द्वारा अधिक मात्रा में कोयला प्राप्त किया जाता है;

(घ) यदि हां, तो 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के वर्षों के दौरान खुली खदान खनन (ओपेनकास्ट माइनिंग) तथा भूमिगत खनन द्वारा वर्ष-वार अलग-अलग कितनी-कितनी मात्रा में कोयला प्राप्त किया गया;

(ङ) क्या यह भी सच है कि देश में भूमिगत खानों के खनन में खनन-प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने हेतु आवश्यक अनेक मशीनें तथा अन्य उपकरण भी उपलब्ध हैं; और

(च) यदि हां, तो वर्ष 1994 के अंत में भूमिगत खानों के खनन में उपयोग आने वाले कुल कितने मूल्य के उपकरण चालू हालत में हैं तथा कितने मूल्य के उपकरण भंडार में अप्रयुक्त पड़े हैं?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) और (ख) भारतीय कोयले के अवतरण विशेषता के कारण, इसमें 15 से 45% के बीच आमतौर पर उच्च राख की मात्रा विद्यमान होती है, उत्तर पूर्वी क्षेत्र को छोड़कर जहां कि कोयला कम राख वाला